शेर पे सवार हो के आजा शेरा वालिये

शेर पे सवार होक आजा शेरा वालिये
शेरा वालिये माँ ज्योता वालिये

ज्योति माँ जगा के तेरी आस यह लगाई है
जिन का ना कोई उनकी तुही सहाई है
रौशनी अंधेरो में दिखा जा शेरो वालिये
शेर पे सवार होक आजा शेरा वालिये
शेरा वालिये माँ ज्योता वालिये

राखिओ माँ लाज इन अखियो के तारों की
डूबने ना पाए नैया हम बेसहारो की
नैया को किनारे पे लगा जा शेरा वालिये
शेर पे सवार होके आजा शेरा वालिये
शेरा वालिये माँ लाटां वालिये

सच्चे दिल से धयाणु जी ने जब था बुलाया माँ
कटा हुआ शीश तूने घोड़े का लगाया माँ
भगतों की आन को बचा जा शेरा वालिये
शेर पे सवार होके आजा शेरा वालिये
शेरा वालिये माँ ज्योता वालिये

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/600/title/sher-pe-sawaar-hoke-aaja-shaera-waliye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |